डॉ. संकर्षण त्रिपाठी के व्यक्तिगत पुस्तकालय में संग्रहीत संस्कृत पाण्डुलिपियों की सूचिका

[A Catalogue of the Sanskrit Manscripts of Dr. Sankarshan Tripathi's Personal Library]

ग्राम गुरौली, पत्रालय छपिया, जनपद गोरखपुर (उत्तर-प्रदेश) चलभाषसंकेत 9451797216, 7081860000

क्र.सं.	ग्रन्थ नाम	ग्रन्थकार	टीका	टीकाकार	भाषा	लिपि	पाण्डुलिपि काल	लिपि कार	विषय	पुस्तकपर्ण संख्या	ग्रन्थ आकार	सामग्री	पूर्णापूर्ण	लुप्तपर्ण संख्या	ग्रन्थ स्थिति	अन्य विवरण
Sl.no.	Text	Author	Commentary	Commentator	Language	Script	Date of Manuscript	Scribe	Subject	No. of Folios	Size of Mss. In c.m.	Materials	Complete/ Incomplete	Missing Portion	Condition	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
1	अभिधार्थ चिन्तामणि	विश्वेश्वर लक्ष्मीधरसुत	स्वकृत	विश्वेश्वर लक्ष्मीधरसुत	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	तन्त्र	71–74	24.5x16	कागज	अपूर्ण	1–70, 75 से अंतिम पर्ण पर्यन्त	सम्यक्	
2	अमरकोषटीका	अमरसिंह	अज्ञात	अज्ञात	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	कोश	कुल 14 पर्ण	24.5x12	कागज	अपूर्ण	–	खण्डित	
3	अमरुशतक	अमरुक कवि	–	–	संस्कृत	देवनागरी	शाके 1713	देवकी नन्दन	काव्य	1–2, 4–15	19x10.5	कागज	अपूर्ण	3	सम्यक्	
4	असालतिलकप्रकाश वा असालतिकप्रकाश	वेणीदत्त नीलकण्ठात्मज जगज्जीवनसूनु	–	–	संस्कृत	देवनागरी	संवत् 1712 शाके 1637 श्रावण सुदी दशमी शुक्रवार	माधवमिश्र सारस्वत	कोश	8–29	24.6x11	कागज	अपूर्ण	1–7	सम्यक्	**दुर्लभ प्रति**
5	आर्यासप्तशती	गोवर्धनाचार्य	अज्ञात	अज्ञात	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	काव्य	2–33	24x10.5	कागज	अपूर्ण	1, 34 से अंतिम पर्ण पर्यन्त	सम्यक्	
6	ईशावास्योपनिषद् भाष्य	–	प्रकाशिका	रंगरामानुजमुनि	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	वेदोपनिषत्	1–16	31x13	कागज	पूर्ण	–	सम्यक्	
7	उत्सर्गमयूख	नीलकण्ठ	–	–	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	कर्मकाण्ड	1–2	27.5x12.	कागज	पूर्ण	–	सम्यक्	
8	उद्योतचन्द्रोदय	सरस्वती शिष्य	–	–	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	न्याय	कुल 43 पर्ण	26.3x11.5	कागज	अपूर्ण	–	खण्डित	
9	कठवल्ली ¼कठोपनिषद्) भाष्य	–	प्रकाशिका	रंगरामानुजमुनि	संस्कृत	देवनागरी	संवत् 1903	अज्ञात	वेदोपनिषत्	1–41	31x13	कागज	पूर्ण	–	सम्यक्	
10	कर्मप्रकाशिका	नारायणभट्ट	–	–	संस्कृत	देवनागरी	संवत् 1855 शाके 17207 आषाढ़ वदी 8	अज्ञात	ज्योतिष	1–6, 8–37	26.7x11.5	कागज	अपूर्ण	7	सम्यक्	
11	काव्यप्रदीप	गोविन्द ठक्कुर	प्रभा	वैद्यनाथ पायगुण्डे	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	काव्यशास्त्र	12	26.5x11.5	कागज	अपूर्ण	–	खण्डित	
12	काव्यादर्श	दण्डी	–	–	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	काव्यशास्त्र	1–2, 17–18	24.4x11	कागज	अपूर्ण	3–16, 19 से अंतिम पर्ण पर्यन्त	खण्डित	
13	कुवलयानन्द	अप्पयदीक्षित	–	–	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	काव्यशास्त्र	1–4, 6, 9–10, 12–20, 22–30, 32–35, 37–41	23.5x10.7	कागज	अपूर्ण	5, 7–8, 11, 21, 31, 36, 42 से अंतिम पर्ण पर्यन्त	खण्डित	
14	कुवलयानन्द टीका	अप्पयदीक्षित	अलंकार चन्द्रिका	वैद्यनाथ रामचन्द्रसुत	संस्कृत	देवनागरी	संवत् 1840	अज्ञात	काव्यशास्त्र	कुल 50 पर्ण	29x13	कागज	अपूर्ण	–	किञ्चित कीटदंष्ट	

15	कौषीतकि उपनिषद् भाष्य		प्रकाशिका	रगरामानुजमुनि	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	वेदोपनिषत्	1–24	31x13	कागज	पूर्ण	–	सम्यक्	
16	गंगासहस्त्रनाम	–	–	–	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	स्तोत्र	17–27, 29	20.5x9.5	कागज	अपूर्ण	1–16, 28, 30 से अंतिम पर्ण पर्यन्त	सम्यक्	
17	गजेन्द्रमोक्ष	महाभारतान्तर्गत	–	–	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	स्तोत्र	1–25	18.3x11.	कागज	पूर्ण	–	सम्यक्	
18	गीता	महाभारतान्तर्गत	–	–	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	स्तोत्र	29–31, 33–55, 58–60, 62–81, 83–85, 88–90	14.5x8	कागज	अपूर्ण	1–28, 32, 56–57, 61, 82, 86–87, 91 से अंतिम पर्ण पर्यन्त	सम्यक्	
19	गीता पंचरत्न	महाभारतान्तर्गत	–	–	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	स्तोत्र	1–67 एवं 1–53	20.8x11.	कागज	पूर्ण	–	सम्यक्	
20	छान्दोग्योपनिषद् भाष्य	–	प्रकाशिका	रगरामानुजमुनि	संस्कृत	देवनागरी	संवत 1906	अज्ञात	वेदोपनिषत्	1–189	31x13	कागज	पूर्ण	–	सम्यक्	
21	तत्वसंख्यान भाष्य	आनन्दतीर्थ भगवत्पाद	विवरण	जयतीर्थ भिक्षु	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	वेदान्त	1–11	21.5x9	कागज	पूर्ण	–	सम्यक्	
22	तन्त्र	–	–	–	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	तन्त्र	5–6	23.5x10	कागज	अपूर्ण	1–4, 7 से अंतिम पर्ण पर्यन्त	सम्यक्	
23	तवल्कारोपनिषद् भाष्य	–	प्रकाशिका	रगरामानुजमुनि	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	वेदोपनिषत्	1–6	31x13	कागज	पूर्ण	–	सम्यक्	
24	तैत्तिरीयोपनिषद् भाष्य	–	प्रकाशिका	रगरामानुजमुनि	संस्कृत	देवनागरी	संवत् 1902 मिती अगहन	अज्ञात	वेदोपनिषत्	1–45	31x13	कागज	पूर्ण	–	सम्यक्	
25	दत्तात्रेयतन्त्रम्	–	–	–	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	तन्त्र	11–20	28.5x12.8	कागज	अपूर्ण	1–10, 21 से अंतिम पर्ण पर्यन्त	सम्यक्	
26	दशकुमारचरीतम्	दण्डी			संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	काव्य	3–30, 33–57, 57, 58–65	28x12.6	कागज	अपूर्ण	1–2, 31–32, 66 से अंतिम पर्ण पर्यन्त	किञ्चित कीटद्रंष्ट	
27	नैषधटीका	–	दीपिका	नरहरि	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	काव्य	कुल 74 पर्ण	31x12.5	कागज	अपूर्ण		खण्डित	
28	नैषधीयचरितम् पूर्वार्द्ध	श्रीहर्ष			संस्कृत	देवनागरी	सवत् 1725	अज्ञात	काव्य	2–4, 69–93	26x11.7	कागज	अपूर्ण	1, 5–68	सम्यक्	
29	पञ्चपक्षी	–	–	–	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	ज्योतिष	2–6	21.3x11.	कागज	अपूर्ण	?	खण्डित	
30	पञ्चपक्षी उदाहरण	–	–	–	संस्कृत	देवनागरी	संवत् 1941 अश्विन	अज्ञात	ज्योतिष	1–2	21.3x11.2	कागज	पूर्ण		सम्यक्	
31	प्रतापमार्तण्ड मलमासनिर्णय	–	–	–	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	धर्मशास्त्र	1–8	26.7x11.4	कागज	अपूर्ण	9 से अंतिम पर्ण पर्यन्त	सम्यक्	
32	प्रतापार्क मलमासनिर्णय	–	–	–	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	धर्मशास्त्र	1–9	26.7x11.4	कागज	अपूर्ण	10 से अंतिम पर्ण पर्यन्त	किञ्चित कीटद्रंष्ट	
33	प्रपञ्चमिथ्यात्वानुमान खण्डन	आनन्दतीर्थ भगवत्पाद	विवरण	जयतीर्थ भिक्षु	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	उपेन्द्र भिक्षु	वेदान्त	2–28	27x11.5	कागज	अपूर्ण	1	सम्यक्	
34	प्रबोधचन्द्रोदय	श्रीकृष्णमिश्र	–	–	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	काव्य	15–32, 34–39	26.1x12.1	कागज	अपूर्ण	1–14, 33, 40 से अंतिम पर्ण पर्यन्त	सम्यक्	
35	प्रश्नोपनिषद् भाष्य	–	प्रकाशिका	रगरामानुजमुनि	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	वेदोपनिषत्	1–16	31x13	कागज	पूर्ण		सम्यक्	
36	बृहदारण्यक भाष्य	–	प्रकाशिका	रगरामानुज मुनि	संस्कृत	देवनागरी	सवत् 1902	अज्ञात	वेदोपनिषत्	1–151	31x13	कागज	पूर्ण		सम्यक्	

37	भामिनीविलास	जगन्नाथ	–	–	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	काव्य	1–2, 5–6, 9, 11–13, 15–16, 18–19, 23	21.3x11.5	कागज	अपूर्ण	2–4, 7–8, 10, 14, 17, 20–22, 24 से अंतिम पर्ण पर्यन्त	किञ्चित खण्डित	
38	मंजूषा (मं षा)	अज्ञात	अज्ञात	अज्ञात	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	व्याकरण दर्शन	42–49, 67–76, 78–90, 99, 102–152, 200–211, 234–237, 254–266, 268–303	29.5x12	कागज	अपूर्ण	1–41, 50–56, 77, 91–98, 100–101, 153–199, 212–233, 238–253, 267, 304 से अंतिम पर्ण पर्यन्त	खण्डित	
39	महाभारत सभापर्व	वेदव्यास	टिप्पणी युता	अज्ञात	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	इतिहास	93, 95–119	37.5x18.5	कागज	अपूर्ण	1–92, 94, 120 से अंतिम पर्ण पर्यन्त	सम्यक्	
40	माण्डूक्योपनिषद् भाष्य	–	प्रकाशिका	रंगरामानुज मुनि	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	वेदोपनिषत्	1–11	31x13	कागज	पूर्ण		सम्यक्	
41	मुण्डकोपनिषद् भाष्य	–	प्रकाशिका	रंगरामानुज मुनि	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	वेदोपनिषत्	1–30	31x13	कागज	पूर्ण		सम्यक्	
42	मुहूर्तचिन्तामणि (राज्याभिषेक प्रकरणम्)	दैवज्ञ राम	पीयूषधारा	गोविन्द ज्योतिर्विद	संस्कृत	देवनागरी	शाके 1721 संवत् 1856 आश्विनी पौर्णिमायां	पुरन्दर	ज्योतिष	1–12	26.5x11.4	कागज	पूर्ण		सम्यक्	
43	रघुवंश	कालिदास	अज्ञात	अज्ञात	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	काव्य	60–111, 118–125, 128, 130, 132–138	26.5x11.5	कागज	अपूर्ण	1–59, 112–117, 126–127, 129, 131, 139 से अंतिम पर्ण पर्यन्त	सम्यक्	
44	रघुवंश सटीक (प्रथम सर्ग)	कालिदास	शाङ्करी	शङ्कर पण्डित	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	काव्य	1&12	32x16.3	कागज	पूर्ण		सम्यक्	**दुर्लभ प्रति**
45	रघुवंश सटीक (तृतीय सर्ग)	कालिदास	शाङ्करी	शङ्कर पण्डित	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	काव्य	1&13	33x16.7	कागज	पूर्ण		सम्यक्	**दुर्लभ प्रति**
46	रघुवंश सटीक (चतुर्थ सर्ग)	कालिदास	शाङ्करी	शङ्कर पण्डित	संस्कृत	देवनागरी	संवत् 1910 मार्गशीर्ष बदी 3 वार रवि	अज्ञात	काव्य	1&12	33.3x16.7	कागज	पूर्ण		सम्यक्	**दुर्लभ प्रति**
47	रघुवंश सटीक (पञ्चम सर्ग)	कालिदास	शाङ्करी	शङ्कर पण्डित	संस्कृत	देवनागरी	शाके 1775 पौष बदी एकादश्यां संवत् 1910	राम पंत	काव्य	1&12	33.2x17	कागज	पूर्ण		सम्यक्	**दुर्लभ प्रति**
48	रघुवंश सटीक (षष्ठ सर्ग)	कालिदास	शाङ्करी	शङ्कर पण्डित	संस्कृत	देवनागरी	शाके 1776 फाल्गुन सुदी 8 शनौ संवत् 1911	अज्ञात	काव्य	1&13	33x18	कागज	पूर्ण		सम्यक्	**दुर्लभ प्रति**
49	रघुवंश सटीक (सप्तम सर्ग)	कालिदास	शाङ्करी	शङ्कर पण्डित	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	काव्य	1&9	34x18	कागज	पूर्ण		सम्यक्	**दुर्लभ प्रति**

50	रघुवंश सटीक (प्रथम सर्ग)	कालिदास	सञ्जीवनी	कोलाचल मल्लिनाथ	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	काव्य	2–13	33x18	कागज	अपूर्ण	प्रथम पर्ण	सम्यक्	
51	रघुवंश सटीक (द्वितीय सर्ग)	कालिदास	सञ्जीवनी	कोलाचल मल्लिनाथ	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	काव्य	1–11	33.2x18	कागज	पूर्ण		सम्यक्	
52	रामगीता सटीक	अध्यात्म रामायणोक्त	दीपिका	जीवानन्द	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	वेदान्त	1–13	24x10.8	कागज	पूर्ण		प्रथम पर्ण खण्डित सम्यक्	
53	वासवदत्ता सटीक	सुबन्धु	विदग्धजन. वल्लभा	जगद्धर	संस्कृत	देवनागरी	संवत् 1725 ज्येष्ठ शुक्ल पक्षे तृतीया शुक्रवासरे	अज्ञात	काव्य ;गद्यद्ध	1–15, 17–29, 29–30, 30, 53–63, 66–68, 71, 74	25.2x10	कागज	अपूर्ण	16, 31–52, 64–65, 69–70, 72–73	खण्डित	
54	विष्णुपद्य	कोनेरि विद्वदनुज श्रीनिवास	अज्ञात	अज्ञात	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	स्तोत्र	1, 3–4, 6–9, 14	25x11	कागज	अपूर्ण	2, 5, 10–13	सम्यक्	
55	वृत्तरत्नाकर सटीक	केदारभट्ट	ललिताक्षरा वृत्ति	सोमचन्द्र गणि	संस्कृत	देवनागरी	संवत् 1642 भाद्रपदे शुक्ल पक्षे 5 दिने वार शुक्रे	गणेश वीरचन्द्र गणि	छन्दशास्त्र	1–25	26x10.5	कागज	पूर्ण		किञ्चित कीटद्रंष्ट	ललिताक्षरा वृत्ति की प्राचीनता की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण प्रति
56	वेद				संस्कृत	देवनागरी			वेद	1	49.3x19	कागज	अपूर्ण		सम्यक्	
57	वैद्यजीवनम् सटीक	लोलिम्बराज	वैद्यजीवन. गूढार्थदीपिका	मनोहरसूनु हरिनाथ शर्मा	संस्कृत	देवनागरी	संवत् 1921 माघ सुदी 15	अयोध्या पाण्डे	आयुर्वेद	1–27, 29–38	29.8x12.2	कागज	अपूर्ण	28	सम्यक्	लीथो प्रिंट
58	व्याकरण ग्रन्थ	अज्ञात	अज्ञात	अज्ञात	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	व्याकरण	कुल 18 पर्ण	26.5x9.3	कागज	अपूर्ण		खण्डित	
59	व्या0 का शांकरी सटिप्पण	अज्ञात	अज्ञात	अज्ञात	संस्कृत	देवनागरी	सवत् 1794	जयराम	न्याय	1 से33	28x12	कागज	पूर्ण		सम्यक्	
60	शम्भुहोरप्रकाश	अज्ञात	अज्ञात	अज्ञात	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	ज्योतिष	3 से 56	37.5x15	कागज	अपूर्ण	1-2, 57 से अन्तिम पर्ण तक	कीटभक्षित	लीथो प्रिंट
61	शिवगीता (पद्मपुराणान्तर्गत) सटीक	अज्ञात	व्याख्या	केलदी वेंकटाद्रि नायक	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	काव्य	1 से 40	26.7x11.7	कागज	पूर्ण 1 से 6 अध्याय		किंचित कीटद्रंष्ट सम्यक्	
62	शिशुपालवध सटीक	माघ	अज्ञात	अज्ञात	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	काव्य	कुल 13 पर्ण	25.3x11.3	कागज	अपूर्ण		सम्यक्	
63	शिशुपालवध सटीक	माघ	सर्वंकषा	कोलाचल मल्लिनाथ	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	काव्य	82-89, 264-282	28x15	कागज	अपूर्ण	1-81, 90-263, 283 से अन्तिम पर्ण तक	सम्यक्	
64	श्राद्धविवेक	अज्ञात	अज्ञात	अज्ञात	संस्कृत	देवनागरी	सवत् 1933	अज्ञात	कर्मकाण्ड	1 से 54	37x16	कागज	पूर्ण		कीटद्रंष्ट	लीथो प्रिंट
65	श्रीदक्षिणामूर्तिस्तोत्र वार्तिकम् (मानसोल्लासनामकम्)	सुरेश्वराचार्य	वृत्तान्ताख्य	रामतीर्थ	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	स्तोत्र	2 से 43	20.5x11	कागज	पूर्ण		सम्यक्	पर्ण 38-40 में सदाशिवेन्द्र सरस्वती कृत **आत्मविद्या-विलास** एवं 40-44 में मराठी में भजन

66	श्रुतबोध	कालिदास	अज्ञात	अज्ञात	संस्कृत	देवनागरी	वियच्चन्द्रनन्दाब्जसंवत्सुपूज्याश्विनेमासि पक्षेसिते जीववारे चतुर्थ्याम् अर्थात् संवत् 1910	रामदत्त	छन्दशास्त्र	1 से 8	25x11	कागज	पूर्ण		सम्यक्	
67	श्वेताश्वतरोपनिषद् भाष्य	–	प्रकाशिका	रंगरामानुज मुनि	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	वेदोपनिषत्	1–27, 29	31x13	कागज	अपूर्ण	28	सम्यक्	
68	सत्यनारायणव्रतकथा	–	–	–	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	व्रत	13	23.2x11.6	कागज	अपूर्ण	पर्ण संख्या 13 के अतिरिक्त सभी पर्ण लुप्त हैं	सम्यक्	
69	सुभाषित	अज्ञात	अज्ञात	अज्ञात	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	काव्य	3 से 7	24x10.8	कागज	अपूर्ण	1-2, 8 से अन्तिम पर्ण तक	सम्यक्	
70	सुभाषित	अज्ञात	अज्ञात	अज्ञात	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	काव्य	10	22.3x11	कागज	अपूर्ण	पर्ण संख्या 10 के अतिरिक्त सभी पर्ण लुप्त हैं	कीटद्रष्ट	
71	सिद्धान्तशिरोमणि (गोलाध्याय) वासनाभाष्य	महेश्वरोपाध्यायसुत भाष्कराचार्य	स्वोपज्ञ वासनाभाष्य	भाष्कराचार्य	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	ज्योतिष	1-33 मूल एवं टीकायां 33, 35-37, 39-45, 47-88	24.3x12.8	कागज	अपूर्ण	1-32, 34, 38, 46	सम्यक्	
72	सिद्धान्तशेखर	भाष्करसूनु **विश्वनाथ** शुद्धशैवागमाचार्य श्रीकृष्णयोगीन्द्र शिष्य	अज्ञात	अज्ञात	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	कर्मकाण्ड	2-24, 30-41, 45-46, 48, 59-65, 71-86, 86क, 87-97, 102+1	26.5x10.8	कागज	अपूर्ण	1, 25-29, 42-44, 47, 49-58, 66-70, 98-101, 103-174 (इस ग्रन्थ में कुल 174 पर्ण थे)	कीटभक्षित	
73	सिद्धान्तसुधानिधि	विश्वेश्वर लक्ष्मीधरसुत	–	–	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	व्याकरण	कुल 370 पर्ण	24x11.5	कागज	अपूर्ण		किंचित खण्डित	
74	सिद्धान्तसुधानिधि	विश्वेश्वर लक्ष्मीधरसुत	–	–	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	व्याकरण	कुल 55 पर्ण	30x10	कागज	अपूर्ण		खण्डित अतिजीर्ण	
75	हरिस्तुति व्याख्या	शकर भगवत्पाद	हरितत्व-मुक्तावली	स्वयंप्रकाश यति	संस्कृत	देवनागरी	अज्ञात	अज्ञात	स्तोत्र	1 से 41	31.5x14.4	कागज	पूर्ण		सम्यक्	
76																
77																
78																
79																
80																